

**Explain Non-alignment and Nehruvian consensus.**

Non-Alignment (गुट-निरपेक्षता)

Concept

Non-Alignment is a foreign policy approach where a country does not align itself with any major power bloc, especially during the Cold War between the U.S. and the Soviet Union.

गुट-निरपेक्षता एक ऐसी विदेश नीति है, जहाँ कोई देश किसी भी प्रमुख शक्ति गुट (जैसे अमेरिका या सोवियत संघ) के साथ संलग्न नहीं होता, विशेष रूप से शीत युद्ध के दौरान।

Objective

The main goal was to maintain national sovereignty and independence in international relations without aligning with the military or ideological positions of the superpowers.

इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्रीय संप्रभुता और स्वतंत्रता बनाए रखना था, बिना किसी महाशक्ति के सैन्य या वैचारिक पक्ष के साथ जुड़ाव के।

Foundation

The Non-Aligned Movement (NAM) was founded in 1961, largely inspired by leaders like Jawaharlal Nehru, Gamal Abdel Nasser, and Josip Broz Tito.

गुट-निरपेक्ष आंदोलन (NAM) की स्थापना 1961 में हुई थी, जिसमें जवाहरलाल नेहरू, गमाल अब्देल नासेर और जोसिप ब्रोज़ टीटो जैसे नेताओं ने प्रमुख भूमिका निभाई।

Principles

NAM emphasized peaceful coexistence, respect for sovereignty, and non-intervention in the internal matters of other countries.

गुट-निरपेक्ष आंदोलन ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, संप्रभुता के सम्मान और अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने पर बल दिया।

## Impact on India

By adopting Non-Alignment, India avoided military alliances, allowing it to focus on economic development and play a mediating role in international conflicts.

गुट-निरपेक्षता को अपनाने से भारत ने सैन्य गठबंधनों से दूर रहकर आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

---

## Nehruvian Consensus (नेहरूवादी सहमति)

### Definition

The Nehruvian Consensus refers to a set of political and economic principles established by India's first Prime Minister, Jawaharlal Nehru, to shape India's democracy and economic policy.

नेहरूवादी सहमति भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित राजनीतिक और आर्थिक सिद्धांतों का एक समूह है, जिसने भारत की लोकतंत्र और आर्थिक नीति को आकार दिया।

### Key Principles

It includes principles such as democratic socialism, secularism, non-alignment, and a mixed economy to achieve social and economic progress.

इसमें लोकतांत्रिक समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, गुट-निरपेक्षता और मिश्रित अर्थव्यवस्था जैसे सिद्धांत शामिल हैं, जिनके माध्यम से सामाजिक और आर्थिक प्रगति को प्राप्त किया गया।

### Economic Policy

Nehru promoted a mixed economy where both the public and private sectors coexisted, with a focus on industrialization and self-reliance.

नेहरू ने मिश्रित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया, जिसमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों का सह-अस्तित्व था, और उद्योगीकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया।

### Foreign Policy

Nehru's foreign policy was rooted in non-alignment, allowing India to pursue an independent foreign policy while maintaining friendly relations with all countries.

नेहरू की विदेश नीति गुट-निरपेक्षता पर आधारित थी, जिससे भारत को एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने और सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने में सहायता मिली।

#### Social Harmony

Nehru emphasized secularism and unity in diversity, promoting an inclusive society where different religions and cultures coexisted peacefully.

नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता और विविधता में एकता पर जोर दिया, जिससे एक समावेशी समाज को बढ़ावा मिला जहाँ विभिन्न धर्म और संस्कृतियाँ शांति से सह-अस्तित्व में थीं।

#### Long-Term Influence

The Nehruvian Consensus influenced India's policies for decades, creating a foundation for India's democratic and economic institutions.

नेहरूवादी सहमति ने दशकों तक भारत की नीतियों को प्रभावित किया और भारत के लोकतांत्रिक और आर्थिक संस्थानों की नींव रखी।

□

### Why is Kashmir so important in India-Pakistan relations ?

#### Historical Background

Kashmir was a princely state during British rule. After independence in 1947, both India and Pakistan claimed it. The conflict started when Pakistan-supported tribesmen invaded Kashmir, leading to its Maharaja signing an Instrument of Accession to India.

#### ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

कश्मीर ब्रिटिश शासन के दौरान एक रियासत था। 1947 में स्वतंत्रता के बाद, भारत और पाकिस्तान दोनों ने इस पर दावा किया। संघर्ष तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान समर्थित कबीलों ने कश्मीर पर आक्रमण किया, जिससे महाराजा ने भारत के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

#### Geostrategic Location

Kashmir's location is strategically significant, sharing borders with India, Pakistan, and China. Control over Kashmir offers strategic military advantages, especially in high-altitude warfare and border security.

## भौगोलिक स्थिति

कश्मीर की स्थिति रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी सीमाएं भारत, पाकिस्तान और चीन से मिलती हैं। कश्मीर पर नियंत्रण उँचाई वाले क्षेत्रों में युद्ध और सीमा सुरक्षा में सामरिक लाभ प्रदान करता है।

## Water Resources

The Indus River and its tributaries flow through the region of Kashmir, making it vital for water resources. Both India and Pakistan rely heavily on these rivers for agriculture and power, adding to the region's importance.

## जल संसाधन

सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियाँ कश्मीर क्षेत्र से होकर बहती हैं, जो इसे जल संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। भारत और पाकिस्तान दोनों कृषि और बिजली के लिए इन नदियों पर निर्भर हैं, जो इस क्षेत्र की महत्ता को बढ़ाता है।

## Cultural and Religious Ties

Kashmir has a Muslim-majority population, which Pakistan claims aligns with its identity as an Islamic state. This has led Pakistan to assert that Kashmir should be part of its territory, causing tensions with India, which is secular.

## सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध

कश्मीर में मुस्लिम बहुल जनसंख्या है, जिसे पाकिस्तान अपने इस्लामी राज्य की पहचान से जोड़ता है। इसके कारण पाकिस्तान का दावा है कि कश्मीर उसका हिस्सा होना चाहिए, जो भारत के साथ तनाव का कारण बनता है जो एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है।

## Security Concerns

The India-Pakistan rivalry over Kashmir has led to military conflicts, insurgencies, and terrorist activities. Both countries maintain a strong military presence in the region, impacting regional stability.

## सुरक्षा चिंताएँ

कश्मीर पर भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता ने सैन्य संघर्ष, विद्रोह और आतंकवादी गतिविधियों को जन्म दिया है। दोनों देश इस क्षेत्र में मजबूत सैन्य उपस्थिति बनाए रखते हैं, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता पर असर पड़ता है।

## National Identity and Pride

For India, Kashmir is an integral part of its territory, reinforcing its secular and pluralistic identity. For Pakistan, it symbolizes the unfulfilled aspiration of a Muslim-majority region joining an Islamic state.

## राष्ट्रीय पहचान और गौरव

भारत के लिए, कश्मीर उसके क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा है जो उसकी धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी पहचान को सुदृढ़ करता है। पाकिस्तान के लिए, यह एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र के एक इस्लामी राज्य में शामिल होने की अधूरी आकांक्षा का प्रतीक है।

### Impact on Diplomatic Relations

Kashmir remains the core issue in India-Pakistan diplomatic relations, often hindering peace talks and cooperation efforts. It also influences both countries' relations with global powers and regional alliances.

### राजनयिक संबंधों पर प्रभाव

कश्मीर भारत-पाकिस्तान राजनयिक संबंधों का केंद्रीय मुद्दा बना हुआ है, जो शांति वार्ता और सहयोग प्रयासों में रुकावट डालता है। यह दोनों देशों के वैश्विक शक्तियों और क्षेत्रीय गठबंधनों के साथ संबंधों को भी प्रभावित करता है।

□

## How did India's economic status dictate its foreign policy options ?

### Post-Independence Economic Constraints

After independence, India faced economic challenges with limited resources, a largely agrarian economy, and widespread poverty. These constraints shaped India's focus on non-alignment, aiming to avoid costly alliances that could strain the economy.

### स्वतंत्रता पश्चात आर्थिक सीमाएँ

स्वतंत्रता के बाद, भारत आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा था, जहाँ सीमित संसाधन, एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और व्यापक गरीबी थी। इन सीमाओं ने भारत के गुट-निरपेक्षता पर ध्यान केंद्रित करने को प्रेरित किया ताकि महंगे गठबंधनों से बचा जा सके।

### Non-Alignment and Economic Independence

India's focus on non-alignment allowed it to maintain independence in foreign policy and receive aid from both the West and the USSR. This strategy provided India with economic support from various sources, without binding itself to any superpower.

### गुट-निरपेक्षता और आर्थिक स्वतंत्रता

गुट-निरपेक्षता पर ध्यान देने से भारत को अपनी विदेश नीति में स्वतंत्रता बनाए रखने और पश्चिम तथा सोवियत संघ से सहायता प्राप्त करने का अवसर मिला। इस रणनीति से भारत

को विभिन्न स्रोतों से आर्थिक समर्थन प्राप्त हुआ, बिना किसी महाशक्ति के प्रति प्रतिबद्ध हुए।

#### Mixed Economy and Foreign Relations

Adopting a mixed economy, India balanced state-led development with limited private sector growth. This model influenced India's foreign policy to focus on self-reliance, preferring economic partnerships that promoted technological transfer and industrialization.

#### मिश्रित अर्थव्यवस्था और विदेश संबंध

एक मिश्रित अर्थव्यवस्था अपनाते हुए, भारत ने राज्य-प्रमुख विकास और सीमित निजी क्षेत्र की वृद्धि को संतुलित किया। इस मॉडल ने भारत की विदेश नीति को आत्मनिर्भरता पर केंद्रित किया और तकनीकी हस्तांतरण तथा औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने वाली आर्थिक साझेदारियों को प्राथमिकता दी।

#### Economic Liberalization and Strategic Alliances

In the 1990s, economic liberalization transformed India's foreign policy, as it became more open to global trade and investment. This shift led to stronger economic and strategic alliances, especially with the U.S. and East Asian economies, to accelerate growth.

#### आर्थिक उदारीकरण और रणनीतिक गठबंधन

1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण ने भारत की विदेश नीति में बदलाव लाया, जहाँ वह वैश्विक व्यापार और निवेश के प्रति अधिक खुला हुआ। इस बदलाव से विशेष रूप से अमेरिका और पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक गठबंधन बने ताकि विकास को गति मिल सके।

#### Energy Needs and Middle East Relations

As India's economy grew, its energy demands increased, leading to stronger ties with Middle Eastern countries for oil imports. This economic necessity influenced India's foreign policy to maintain neutrality in Middle Eastern conflicts to secure energy supplies.

#### ऊर्जा आवश्यकताएँ और मध्य पूर्व संबंध

जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ी, उसकी ऊर्जा की माँग भी बढ़ी, जिससे तेल आयात के लिए मध्य पूर्वी देशों के साथ मजबूत संबंध बने। इस आर्थिक आवश्यकता ने भारत की विदेश नीति को मध्य पूर्वी संघर्षों में तटस्थता बनाए रखने के लिए प्रभावित किया ताकि ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

## Global Economic Integration and Multilateralism

India's growing integration into the global economy led to a shift towards multilateral diplomacy, engaging actively with organizations like the WTO and BRICS. This helped India secure favorable trade terms and promote its development interests.

### वैश्विक आर्थिक एकीकरण और बहुपक्षवाद

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते एकीकरण ने बहुपक्षीय कूटनीति की ओर रुख किया, जिसमें WTO और ब्रिक्स जैसे संगठनों के साथ सक्रिय भागीदारी की गई। इससे भारत को अनुकूल व्यापार शर्तें हासिल करने और अपने विकास हितों को बढ़ावा देने में मदद मिली।

## Economic Power and Global Influence

With its rising economic status, India expanded its foreign policy to include global leadership roles, such as climate action and development partnerships with Africa. Economic growth enabled India to pursue a more assertive foreign policy on the world stage.

### आर्थिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव

अपनी बढ़ती आर्थिक स्थिति के साथ, भारत ने अपनी विदेश नीति में वैश्विक नेतृत्व भूमिकाओं को शामिल किया, जैसे जलवायु कार्रवाई और अफ्रीका के साथ विकास साझेदारी। आर्थिक विकास ने भारत को वैश्विक मंच पर अधिक सशक्त विदेश नीति अपनाने में सक्षम बनाया।

**Links of other parts is given in the description box .**